ग्रामोदय मेला में शाम ढलते ही रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हो जाता था। ये कार्यक्रम हर शाम तीन दिन तक लगातार चले। उस दौरान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के प्रसिद्ध लोक कलाकारों द्वारा पारम्परिक लोककला का मंचन किया गया। पार्श्व गायिका श्रीमती मालिनी अवस्थी और पार्श्व गायक श्री मोहित चौहान के सुमधुर गीतों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।